'इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये' का विज्ञान प्रोत्साहन में अवदान का विश्लेषण

मनीष श्रीवास्तव[1], सावित्री सिंह परिहार[2]
[1]शोधार्थी, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, रायसेन (म.प्र.) भारत
[2]सह–आचार्य, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, रायसेन (म.प्र.) भारत

सारांश
भारत में विज्ञान जनसंचार में हिन्दी भाषा के अंतर्गत चुनिंदा पत्रिकाओं ने जन–जागरूकता का कार्य किया है। भारत जैसे विशाल भौगोलिक क्षेत्र में स्थित विविध राज्यों में मध्यप्रदेश ऐसा ही महत्वपूर्ण राज्य हैं जहां से प्रकाशित होने वाली इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये पत्रिका ने विज्ञान जनसंचार के क्षेत्र में 30 से भी ज्यादा वर्षों से कार्य करते हुए विज्ञान पत्रिकाओं के इतिहास में महत्वपूर्ण मुकाम प्राप्त किया है। इस शोध लेख में पत्रिका के महत्वपूर्ण अवदान को स्पष्ट किया गया है।

बीज शब्द – इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये, विज्ञान जनसंचार, विज्ञान लेखन।

I भूमिका

भारत में हिन्दी विज्ञान पत्रिकाओं के इतिहास की शुरुआत सन् 1913 से प्रयागराज में हुई। इसके बाद भी कई वर्षों तक हिन्दी विज्ञान पत्रिकाओं के इतिहास में प्रकाशन का अभाव बना रहा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद शासकीय स्तर पर तथा निजी स्तर पर अनुदान के माध्यम से जरूर महत्वपूर्ण हिन्दी विज्ञान पत्रिकाओं का प्रकाशन हुआ जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान जागरण का कार्य किया। मध्यप्रदेश में भी आजादी के बाद से विज्ञान पत्रिकाओं के प्रकाशन का आरंभ हुआ, जिसमें प्राथमिक स्तर पर स्वास्थ्य की पत्रिका 'निरोगधाम' का प्रकाशन हुआ। सन् 1988 तक विविध हिन्दी विज्ञान पत्रिकाओं का प्रकाशन मध्यप्रदेश से हुआ। सन् 1988 से विज्ञान और तकनीकी विषयों पर उत्कृष्ट लेख प्रकाशित करने वाली पत्रिका इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये का पदार्पण विज्ञान पत्रिकाओं के इतिहास में हुआ। पत्रिका ने प्रकाशन की विगत 35 वर्षों से भी लंबी यात्रा तय कर ली है और निरन्तर प्रकाशन जारी है। पत्रिका द्वारा इतने लंबे अंतराल में विज्ञान और तकनीक के प्रति राष्ट्रीय स्तर पर जन–जागरण के कई महत्वपूर्ण कार्य किये गये हैं। इन्हीं का विश्लेषण इस शोध का प्रमुख विषय है।

II 'इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये' पत्रिका का इतिहास

20वीं सदी के 8वें दशक के अंत तक मध्यप्रदेश में विज्ञान पत्रिकाओं की दुनिया में एक गहरा शून्य बना हुआ था क्योंकि तब तक मध्यप्रदेश में सर्वहारा वर्ग के लिये कोई भी ऐसी पत्रिका की शुरुआत नहीं हुई थी जिसमें विज्ञान, तकनीक और तत्कालीन समय में कम्प्यूटर क्षेत्र में हो रही प्रारंभिक क्रांति को सरल, सहज हिन्दी भाषा में बताया जाये ताकि हिन्दी भाषीय क्षेत्र मध्यप्रदेश में निवास करने वाले सर्वहारा वर्ग को इन क्षेत्रों में हो रही प्रगति से रूबरू कराया जा सके, उन्हें इसकी सूचना दी जा सके, उन्हें इन क्षेत्रों के प्रति जागरूक, शिक्षित किया जा सके ताकि वे भी प्रेरित हो सकें, युवाओं में विज्ञान, तकनीक, कम्प्यूटर जैसे क्षेत्रों से जुड़ने की अभिलाषा उत्पन्न हो सके, महिलाओं को इन क्षेत्रों का ज्ञान हो सके।

इस तरह मध्यप्रदेश में विज्ञान, तकनीक, कम्प्यूटर और इंटरनेट जैसे क्षेत्रों के बारे में सरल हिन्दी भाषा के द्वारा जन जागरूकता जगाने का आरंभ 80 के दशक के अंत में *सन् 1988 से आरंभ हुआ जब विज्ञान के संसार में 'इलेक्ट्रॉनिकी' नाम से पत्रिका आलोकित हुई। यही पत्रिका आगे नाम में संशोधन के साथ 'इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये' नाम से मध्यप्रदेश सहित पूरे भारत में विज्ञान, तकनीक और कम्प्यूटर की शीर्षस्थ पत्रिका के रूप में विख्यात हुई।*[1]

छात्र, महिला, पुरुष, शहरी और ग्रामीण वर्ग; सभी को दृष्टिगत रखते हुए इलेक्ट्रॉनिकी पत्रिका का अंक 1, त्रैमासिक पत्रिका के रूप में जुलाई–सितंबर 1988 नाम से भोपाल जिले से प्रकाशित हुआ।[2]

III इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये के प्रथम अंक की उपयोगिता

इलेक्ट्रॉनिकी पत्रिका के प्रथम अंक में विज्ञान, तकनीक, कम्प्यूटर के महत्वपूर्ण आलेखों का समायोजन करने के साथ ही छात्रों के लिये महत्वपूर्ण स्तम्भ जैसे – जिज्ञासा (आपके प्रश्न हमारे उत्तर), इसे करके देखें का समावेश भी भली–भांति किया गया। अस्सी के दशक में जब भारत में कम्प्यूटर साक्षरता क्रांति का सूत्रपात हो ही रहा था, अंतरिक्ष में प्रयोग किये जाने वाले उपग्रह, सूक्ष्म तरंगों पर कार्य करने वाले रेडार और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे नवीन शब्दों का ज्ञान जनसाधारण को नहीं था। ऐसे दौर में इलेक्ट्रॉनिकी पत्रिका ने अपने पहले ही अंक में सरल हिन्दी भाषा में न सिर्फ उपग्रह संचार को निरूपित किया बल्कि रेडार की कार्य प्रणाली को भी समझाया। कम्प्यूटर को लेकर विशेषकर छात्रों की समझ को पूर्णतः विकसित करने के उद्देश्य से कम्प्यूटर के वृहद इतिहास 500 ईसा पूर्व से लेकर सन् 1945 तक हुई प्रगति की सचित्र कहानी प्रदर्शित की।

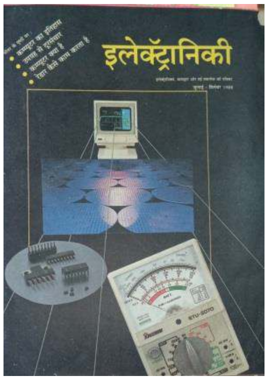

इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये पत्रिका का प्रकाशन त्रैमासिक के रूप में हुआ था जो द्विमासिक से होते हुए मासिक रूप में रूपांतरित हो गया। जुलाई 1997 से इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये पत्रिका मासिक रूप से प्रकाशित होने लगी।

IV इलेक्ट्रॉनिकी में प्रकाशित विविधात्मक आलेखों का प्रकाशन

एक सूची के रूप में विज्ञान लेखन के क्षेत्रों को उल्लेखित किया जाये तो यह निम्न हैं – गणित, रसायन, भौतिकी, आयुर्वेद, कृषि, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, पशु चिकित्सा, ऊर्जा, कम्प्यूटर विज्ञान, पर्यावरण, अंतरिक्ष, उपग्रह, चिकित्सा, जीव विज्ञान, समुद्र विज्ञान, पक्षी विज्ञान, विज्ञान कथा, विज्ञान कविता, विज्ञान हाइकु, बाल विज्ञान लेखन, विज्ञान रिपोर्ट, विज्ञान संचारकों के साक्षात्कार, वैज्ञानिकों के बारे में, वैज्ञानिक आविष्कारों के बारे में तथा अन्य तरह का सामान्य विज्ञान लेखन आदि। इलेक्ट्रॉनिकी पत्रिका में विज्ञान लेखन की लगभग सभी विधाओं में विज्ञान लेखकों द्वारा लिखे गये लेखों का प्रकाशन समय–समय पर किया गया है। सन् 1988 से प्रकाशन के साथ अपने 35 वर्षों के प्रकाशन काल में पत्रिका ने बहुआयामी तरीके से विज्ञान लेखन का संसार रचा है। इसे निम्न सूची द्वारा स्पष्ट किया जा रहा है।

सूची 1
इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये में विविध विषयों पर प्रकाशित लेख

क्र.	आलेख	लेखक	माह/अंक	सन्	पेज	विषय
1	कम्प्यूटर का इतिहास	डॉ. व्ही. डी. गर्दे	जुलाई–सितम्बर	1988	3	कम्प्यूटर
2	कम्प्यूटर क्या है?	अजय तिवारी	जुलाई–सितम्बर	1988	8	कम्प्यूटर
3	रेडार	गोपीनाथ श्रीवास्तव	जुलाई–सितम्बर	1988	17	इलेक्ट्रॉनिक्स
4	उपग्रह संचार	कालीशंकर	जुलाई–सितम्बर	1988	11	अंतरिक्ष
5	हाम रेडियो	अनुराग सीठा	जुलाई–सितम्बर	1989	25	रेडियो
6	कम्प्यूटर में हिन्दी का बढ़ता हुआ प्रयोग	रोहित अग्निहोत्री	जुलाई–सितम्बर	1989	28	कम्प्यूटर/हिन्दी
7	कचरा धरती का नया खतरा	जगदीप सक्सेना	जुलाई–सितम्बर	1989	26	पर्यावरण
8	मस्तिष्क व्याधियों की समझ आधुनिक टेक्नॉलॉजी से	डॉ. शैलेन्द्र जैन	जुलाई–सितम्बर	1989	18	चिकित्सा विज्ञान
9	रोबोट अब शल्य चिकित्सक भी	रजिया परवीन	सितम्बर–दिसंबर	1989	6	चिकित्सा विज्ञान
10	महासागर की तलहटी में मौजूद खतरा	अरविंद सीठा	सितम्बर–दिसंबर	1989	13	समुद्र विज्ञान
11	कम्प्यूटर वायरस '8290'	संदीप वर्मा	सितम्बर–दिसंबर	1989	35	कम्प्यूटर
12	कृषि क्षेत्र में कम्प्यूटर का उपयोग	संतोष शुक्ला	सितम्बर–दिसंबर	1989	15	कृषि विज्ञान
13	बेसिक प्रोग्रामिंग सीखिये	अजय तिवारी	जनवरी–फरवरी	1991	3	कम्प्यूटर लैंग्वेज
14	वायुयानों के लिये सूक्ष्म तरंग अवतरण पद्धति	राहुल श्रीवास्तव	जनवरी–फरवरी	1991	26	वायुयान विज्ञान
15	लेजर माइक्रोस्कोप	विनीत सिंग	मार्च–अप्रैल	1991	5	लेजर विज्ञान
16	मौसम संबंधी पूर्वानुमान और सुपर कम्प्यूटर	संदीप वर्मा	मार्च–अप्रैल	1991	21	मौसम विज्ञान
17	रोबोट	संदीप वर्मा	मई–जून	1991	7	रोबोट विज्ञान
18	कैंसर का उपचार	अनुराग सीठा	मई–जून	1991	3	चिकित्सा विज्ञान
19	प्लास्टिक संस्कृति पर्यावरण की विकृति	साभार	मई–जून	1991	31	पर्यावरण
20	थर्मोन्यूक्लियर रिएक्टर	राजेश मिश्रा	जुलाई–अगस्त	1991	3	परमाणु विज्ञान
21	विद्युत दुर्घटनाओं से कैसे बचें?	डॉ. विनोद गुप्ता	जुलाई–अगस्त	1991	6	विद्युत विज्ञान
22	सौर ऊर्जा से पौधों के रोगों का निदान	राजेश जायसवाल	जुलाई–अगस्त	1991	25	सौर ऊर्जा
23	क्या करेगा उपग्रह अंतरिक्ष में जाकर	जी. के. गोयल	सितंबर–अक्टूबर	1991	2	अंतरिक्ष विज्ञान
24	इलेक्ट्रॉनिक खेल–खिलौने का निर्माण	साभार	सितंबर–अक्टूबर	1991	15	इलेक्ट्रॉनिकी विज्ञान
25	क्या भूकंप की भविष्यवाणी संभव है?	मेघराज	नंवबर–दिसंबर	1991	29	भूकंप विज्ञान
26	पृथ्वी सम्मेलन	साभार	जनवरी–जून	1992	8	पृथ्वी विज्ञान
27	दूरसंचार के बदलते आयाम	सत्य सुमन	जनवरी–जून	1992	2	दूरसंचार
28	अग्नि का दूसरा सफल प्रक्षेपण	साभार	जनवरी–जून	1992	6	मिसाइल विज्ञान
29	ग्रामीण विकास में इलेक्ट्रॉनिक्स	एम. गुप्ता	जुलाई–दिसंबर	1992	2	इलेक्ट्रॉनिक्स
30	ऊर्जा बचत करने वाला (ई–बल्ब)	पूनम मोहन	जुलाई–दिसंबर	1992	14	नई तकनीक
31	डाटा स्टोरेज – कुछ सुझाव	साभार	जनवरी–अप्रैल (संयुक्तांक)	1994	3	डाटा विज्ञान

32	नोबेल पुरस्कार 1993	ओमप्रकाश हाथपसारिया	जनवरी–अप्रैल (संयुक्तांक)	1994	5	विज्ञान पुरस्कार
33	कम्प्यूटर एनीमेशन और जुरासिक पार्क	साभार	मई–जून	1994	3	फिल्म/एनीमेशन
34	एक फिल्म में जिंदा होते डायनोसोर	डॉ. जगदीप सक्सेना	मई–जून	1994	5	पुरातत्व विज्ञान
35	देश का पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण	साभार	जुलाई–अगस्त	1994	7	चिकित्सा
36	फिल्मों में कम्प्यूटर ग्राफिक्स का प्रयोग	साभार	जनवरी–मार्च	1995	8	ग्राफिक्स
37	संचार क्रांति	मो. अनवर अजमेरी	जनवरी–मार्च	1995	13	संचार
38	फैक्स	संतोष शुक्ला	जनवरी–फरवरी	1997	5	नई तकनीक
39	जावा	ऋचा श्रीवास्तव	मार्च–जून	1997	5	कम्प्यूटर लैंग्वेज
40	क्या होता यदि चंद्रमा न होता?	मुकेश गुप्ता	मार्च–जून	1997	16	अंतरिक्ष
41	मल्टीमीडिया में रोजगार के अवसर	शानी चंद्रा	अगस्त	1997	3	मल्टीमीडिया
42	सेल्यूलर फोन से बढ़ते खतरे	संगीता चतुर्वेदी	अगस्त	1997	27	दूरसंचार
43	सॉफ्टवेयर व्यापार में चांदी	साभार	सितंबर	1997	10	सॉफ्टवेयर
44	पुस्तकालयों का आधुनिक रूप	विपिन खाखा	जनवरी	1999	29	पुस्तकालय विज्ञान
45	जमीन के नीचे बसेंगी बस्तियां	सुरेन्द्र विश्वकर्मा	फरवरी	1999	21	भविष्य विज्ञान
46	कम्प्यूटर हार्डवेयर	नितिन भारद्वाज	सितंबर	1999	3	हार्डवेयर
47	बच्चों के लिये सॉफ्टवेयर	डॉ. मनमोहन बाला	नवंबर	1999	3	बाल विज्ञान
48	इलेक्ट्रॉन : हुये 101 साल	मनोहर नोतानी	नवंबर	1999	32	भौतिकी
49	डिजिटल तकनीक	शैलेश पांडे	फरवरी	2000	10	ऑनलाइन
50	शोर जब जानलेवा बन जाये	सूर्यभान	अप्रैल	2000	15	ध्वनि विज्ञान
51	ई–गवर्नेंस	डॉ. एन. के. तिवारी	जून	2000	3	तकनीक
52	साइबर अपराध एक चुनौती	अखिलेश सोनी	अगस्त	2000	14	साइबर विज्ञान
53	ई–प्रकाशन ने बाजी मारी	डॉ. दिनेश मणि	सितंबर	2003	6	ऑनलाइन प्रकाशन
54	बच्चों तक पहुंची आईटी शिक्षा	पूर्णिमा दुबे	फरवरी	2006	14	आईटी. शिक्षा

V इलेक्ट्रॉनिकी पत्रिका द्वारा महिला लेखकों का विज्ञान में योगदान

वर्ष 2020 में किये गये एक सर्वेक्षण से यह परिणाम निकल कर आये कि भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के 1044 सदस्यों में से 89 महिलायें हैं जो कुल संख्या का 9 फीसदी है। जबकि 2015 में यह आंकड़ा 864 सदस्यों में 6 फीसदी का था।

वहीं विश्व स्तर पर बात की जाये तो जेंडर इन साइंस, इनोवेशन, टेक्नॉलॉजी एंड इंजीनियरिंग, इंटर एकेडमी पार्टनरशिप और इंटरनेशनल साइंस काउंसिल द्वारा संयुक्त रूप से किये गये एक अध्ययन के मुताबिक उच्च अकादमियों में महिलाओं की निर्वाचित सदस्यता 2015 में 13 फीसदी थी जो 2020 में बढ़कर 16 फीसदी हो गई। [3]

यह आंकड़े इस बात को प्रमाणित करते हैं कि विज्ञान संस्थाओं में वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। इन संदर्भों से यह भी ज्ञात होता है कि यह भागीदारी अभी भी बेहद कम है। इसलिये इलेक्ट्रॉनिकी पत्रिका के अंकों का विश्लेषण करने पर यह ज्ञात होता है कि पत्रिका द्वारा अस्सी के दशक के अंत से 20वीं सदी के अंत तक विज्ञान लेखन में महिलाओं को सक्रिय करने, उन्हें उचित मंच उपलब्ध कराने तथा उनकी भागीदारी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सूची 2
इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये में महिलाओं द्वारा लिखे गये लेखों की सूची

क्र.	लेख	लेखिका	माह/अंक	सन्	पेज
1	रोबोट अब शल्य चिकित्सक भी	रजिया परवीन	जनवरी–फरवरी	1990	6
2	कोडिन – इलेक्ट्रॉनिक घटक उपयोगकर्ता...	नीलम चौबे	जुलाई–अगस्त	1991	16
3	समाचार पत्रों में विज्ञान एवं तकनीक का कवरेज	उज्ज्वला तिर्की	जनवरी–जून	1992	41
4	ग्रामीण विकास में इलेक्ट्रॉनिक्स	श्रीमती एम. गुप्ता	जुलाई–दिसंबर	1992	2
5	वर्ष 1992 में विज्ञान की उपलब्धियां	साधना	जुलाई–दिसंबर	1992	42
6	ऊर्जा की बचत करने वाला बल्ब	पूनम मोहन	जुलाई–सितंबर	1993	14
7	अंतरिक्ष में महाभारत	प्रीतिशंकर शर्मा	जुलाई–अगस्त	1994	3
8	फैशन डिजाइनिंग में कम्प्यूटर का प्रयोग	दीपाली गुप्ता	सितंबर–अक्टूबर	1994	9
9	क्यों होता है दर्द?	विनीता सिंघल	जनवरी–मार्च	1995	15
10	जब आसमानों के लिये जाएंगे संदेश	निकोला कोल	नवंबर–दिसंबर	1995	10
11	क्या ईश्वर ने पृथ्वी पर दुग्धपान किया?	राखी शुक्ला	जनवरी–अप्रैल	1996	43
12	कम्प्यूटर प्रोग्राम	राखी शुक्ला	जनवरी–अप्रैल	1996	47
13	इलेक्ट्रॉनिक कम्प्यूटर से फोटोनिक कम्प्यूटर	शक्ति शर्मा	जनवरी–अप्रैल	1996	34
14	सुपर कम्प्यूटर कुछ महत्वपूर्ण तथ्य	कु. विमला सिंग	जनवरी–अप्रैल	1996	36
15	96 सालों से चालू है बल्ब	स्नहेलता गुमगांवकर	मई–जून	1996	7
16	हमारे वैज्ञानिक	ऋचा श्रीवास्तव	मई–जून	1996	14
17	सिलिकॉन युक्ति विज्ञान के नये आयाम	अनुपमा पुंज	मई–जून	1996	19
18	मल्टीमीडिया	मुक्ता श्रीवास्तव	मई–जून	1996	20
19	विंडोज 95	शक्ति शर्मा	मई–जून	1996	22
20	यदि मैं किसी विज्ञान पत्रिका की संपादिका होती	गौरी शुक्ला	मई–जून	1996	26
21	एक महान खोज के 57 वर्ष नाभिकीय विखंडन	कंवलजीत कौर	जुलाई–अगस्त	1996	26
22	फ्लॉपी डिस्क में छिपे रहस्य	वर्षा उपाध्याय	जुलाई–अगस्त	1996	15
23	कम्प्यूटर प्रोग्राम	सीमा पाण्डेय/मनीषा पेंडसे	जुलाई–अगस्त	1996	27
24	रोबोट	कीर्ति मेहरा	सितंबर–अक्टूबर	1996	15
25	ज्योतिषियों पर भारी पड़ रही कम्प्यूटर तकनीक	सीमा शाक्य	सितंबर–अक्टूबर	1996	21
26	कम्प्यूटर स्क्रीन पर नाचती दवाईयां	चित्रा नायर	सितंबर–अक्टूबर	1996	23
27	पर्यावरण प्रबंधन में कम्प्यूटर की भूमिका	संगीता वर्मा	सितंबर–अक्टूबर	1996	25
28	उ. मा. विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षा	संध्या चौधरी	सितंबर–अक्टूबर	1996	35
29	कम्प्यूटरीकृत विज्ञान के नये आयाम	कीर्ति श्रीवास्तव	सितंबर–अक्टूबर	1996	38
30	इलेक्ट्रॉनिक शॉपिंग	सपना जैन	सितंबर–अक्टूबर	1996	41

31	नया 'पॉम टॉप' कम्प्यूटर	नीतू शर्मा	सितंबर–अक्टूबर	1996	42
32	फायरवॉल – एक परिचय	दीप्ति चतुर्वेदी	नवंबर–दिसंबर	1996	16
33	गिरगिट रंग क्यों बदलता है?	चित्रा नायर	नवंबर–दिसंबर	1996	21
34	दूरसंचार क्रांति	नीना व्यास	अप्रैल	2000	31
35	इंटरनेट –2	शशि शुक्ला	अप्रैल	2000	34
36	वैज्ञानिक प्रतिभा	दीक्षा विष्ट	अप्रैल	2000	38
37	आखिर क्या है वैटलेण्डर?	डॉ. ललिता शर्मा	मई	2000	15
38	आपके और करीब आयेगा छोटा बक्सा	पूर्णिमा दुबे	अगस्त	2003	8
39	वीडियो कांफ्रेन्सिंग	शिखा शर्मा	जनवरी	2006	18
40	क्या संभव है भविष्य की आहट सुनना	कल्पना कुलश्रेष्ठ	मार्च	2006	20
41	इलेक्ट्रॉनिक एवं इलेक्ट्रिकल कचरा	सुचेता सिंह	अप्रैल	2011	37
42	कुदरत तेरे कैसे रूप	दुर्गेश नंदिनी वर्मा	मई	2011	25

VI इलेक्ट्रॉनिकी पत्रिका के नियमित स्तंभों का अध्ययन

इलेक्ट्रॉनिकी पत्रिका के प्रथम अंक से ही विशेष स्तंभों के प्रकाशन का सिलसिला आरंभ हुआ, जो पत्रिका के वर्तमान अंकों में भी चल रहा है। पत्रिका में प्रकाशित स्तंभों की सूची निम्न है।

सूची 3

इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये पत्रिका में प्रकाशित नियमित स्तंभों की सूची

क्र.	स्तम्भ	माह/अंक	सन्	पेज नं.
1	जिज्ञासा – आपके प्रश्न हमारे उत्तर	जुलाई–सितम्बर	1988	23
2	इसे करके देखो	जुलाई–सितम्बर	1988	24
3	देश–विदेश	जुलाई–सितम्बर	1989	12
4	बच्चों के लिये प्रोग्राम	जुलाई–सितम्बर	1989	22
5	आपके पत्र आपके सुझाव	जुलाई–सितम्बर	1989	23
6	कम्प्यूटर क्षेत्र के नये उत्पाद	मार्च–अप्रैल	1991	21
7	नई तकनीक	जनवरी–फरवरी	1991	24
8	विज्ञान कथा	मार्च–जून	1991	12
9	विज्ञान पहेली	मई–जून	1991	15
10	सामान्य ज्ञान	जुलाई–अगस्त	1991	6
11	कम्प्यूटर तकनीक	जुलाई–अगस्त	1991	8
12	हमारे वैज्ञानिक	जुलाई–अगस्त	1991	11
13	वैज्ञानिक उपलब्धि	सितम्बर–अक्टूबर	1991	2
14	पर्यावरण	सितम्बर–अक्टूबर	1991	8
15	चिकित्सा तकनीक	सितम्बर–अक्टूबर	1991	18
16	ऊर्जा	जनवरी–जून	1992	43

17	इलेक्ट्रॉनिक परिपथ	जुलाई–दिसम्बर	1992	40
18	विज्ञान समाचार	जुलाई–सितम्बर	1993	16
19	आवरण कथा	अक्टूबर–नवंबर	1993	3
20	स्वयं करके देखें	अक्टूबर–नवंबर	1993	11
21	नये उत्पाद	अक्टूबर–नवंबर	1993	15
22	रॉकेट टेक्नॉलॉजी	जनवरी–अप्रैल	1994	8
23	समाचार डायरी	जनवरी–अप्रैल	1994	19
24	वैज्ञानिक उपलब्धियां	जनवरी–अप्रैल	1994	22
25	विज्ञान खेल	जनवरी–अप्रैल	1994	28
26	प्रश्नोत्तरी	जनवरी–फरवरी	1995	25
27	सूचना प्रौद्योगिकी	अप्रैल–जुलाई	1995	3
28	कम्प्यूटर प्रश्नोत्तरी	अप्रैल–जुलाई	1995	30
29	विज्ञान पुस्तक समीक्षा	जनवरी–अप्रैल	1996	45
30	छात्रों की कलम से	मई–जून	1996	19
31	निबंध प्रतियोगिता	जनवरी–अप्रैल	1996	41
32	स्लोगन प्रतियोगिता	जुलाई–अगस्त	1996	10
33	साक्षात्कार	नवंबर–दिसंबर	1996	5
34	कम्प्यूटर शब्द पहेली	मार्च–जून	1997	35
35	कार्टून कोना	मार्च–जून	1997	43
36	आपके विचार	अक्टूबर	2000	55
37	आईटी समाचार	अगस्त	2003	39
38	सवाल जवाब	अक्टूबर	2003	47
39	बच्चो के सवाल राष्ट्रपति के जवाब	जनवरी	2006	50
40	व्यक्तित्व विकास	जून	2006	21
41	इंटरनेट समाचार	नवंबर–दिसंबर	2006	68
42	युवा कलम	नवंबर–दिसंबर	2006	93
43	ज्ञान–विज्ञान	जनवरी	2009	29
44	क्या आप जानते हैं?	नवंबर	2009	48
45	खोज	जुलाई	2010	27
46	विशेष	सितम्बर	2010	2
47	रोचक	सितम्बर	2010	35
48	जयंती विशेष	अक्टूबर	2010	2
49	सफलता	नवंबर	2010	22
50	सामयिक	जून	2011	11

51	विज्ञान कविता	अक्टूबर	2011	36

संपादक संतोष चौबे को इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये पत्रिका के संपादन के लिये प्राप्त पुरस्कार

VII पत्रिका के विशिष्ट आयाम

मध्यप्रदेश राज्य के अंतर्गत विज्ञान के क्षेत्र में ऐसी चुनिंदा पत्रिकायें ही रही हैं जिन्होंने 30 से भी ज्यादा सालों की स्वर्णिम यात्रा तय की है। इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये पत्रिका भी इसी श्रेणी की है।

इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये पत्रिका के 50वें, 100वें, 150वें, 200वें, 300वें और 350वें अंक का आमुख

VIII उपसंहार

ऊपर वर्णित जानकारी से यह स्पष्ट होता है कि इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिये द्वारा निम्न मुख्य बिंदुओं पर कार्य किया गया है –

(क) विज्ञान, कम्प्यूटर तथा तकनीकी क्षेत्रों से जनसाधारण को रूबरू कराना।
(ख) जनसाधारण में वैज्ञानिक और तार्किक सोच विकसित करना।
(ग) हिन्दी भाषा में सरल, सहज तरीके से वैज्ञानिक विषयों को स्पष्ट करना।
(घ) हिन्दी भाषा के विकास में अपना अवदान सुस्पष्ट करना और प्रोत्साहन देना।
(च) छात्रों को वैज्ञानिक विषयों से जोड़ना।
(छ) महिलाओं में वैज्ञानिक विषयों के प्रति जागरूकता लाना और महिला लेखकों को विज्ञान विषयों में लेखन के लिये प्रोत्साहित करना।
(ज) नव विज्ञान लेखकों के सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह।
(झ) विज्ञान जागरूकता सहित साक्षरता के विकास में विशेष भूमिका अदा करना।
(ट) विज्ञान संगोष्ठी, विज्ञान मेले तथा विज्ञान कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता का संचार करना।
(ठ) मध्यप्रदेश सहित राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान संचार को प्रोत्साहन देना।

संदर्भ ग्रंथ

[1] जैन चक्रेश, मध्यप्रदेश की विज्ञान संचार यात्रा, आईसेक्ट यूनिवर्सिटी, पेज 24, 2015

[2] इलेक्ट्रॉनिकी, अंक–1, माह जुलाई–सितंबर 1988

[3] बाजपेयी शालिनी, https://www.drishtiias.com/hindi/blog/contribution-of-women-in-the-world-of-science